प्रेस विज्ञप्ति

21.07.2023

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मैसर्स फारमैक्स इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद से संबंधित वैश्विक जमा रसीद (जीडीआर) घोटाले में अरुण पंचारिया, संजय अग्रवाल और मेसर्स इंडिया फोकस कार्डिनल फंड से संबंधित 59.37 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियों को कुर्क किया है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तेलंगाना पुलिस की प्राथमिकी (एफआईआर) के आधार पर जलज बत्रा, संजय अग्रवाल, अरुण पंचारिया, मुकेश चौरड़िया और अन्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत पीएमएलए जांच शुरू की थी।

ईडी की जांच में पता चला कि विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के अरुण पंचारिया और उससे जुड़ी संस्थाओं- पैन एशिया एडवाइजर्स लिमिटेड (जिसे अब ग्लोबल फाइनेंस एंड कैपिटल लिमिटेड के नाम से जाना जाता है), इंडिया फोकस कार्डिनल फंड और विंटेज एफजेडई ("विंटेज"- जिसे अब अल्टा विस्टा इंटरनेशनल एफजेडई के नाम से जाना जाता है) ने अपने सहयोगियों संजय अग्रवाल, जलज बत्रा और अन्य, मोरथला श्रीनिवास रेड्डी और मोरथला मल्ला रेड्डी - फारमैक्स इंडिया लिमिटेड के प्रमोटरों / निदेशकों के साथ मिलकर भारतीय निवेशकों को छलने और धोखा देने के लिए एक फर्जी वैश्विक जमा रसीद (जीडीआर)।योजना तैयार की एवं निष्पादित की।

जब किसी भारतीय कंपनी के जीडीआर को विदेशों में अभिदत्त (सब्सक्राइब) किया जाता है, तो आय को भारत में प्रत्यावर्तित करना अनिवार्य होता है जब तक कि वे भविष्य की विदेशी मुद्रा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विदेश में जमा नहीं किए जाते हैं।

हालांकि, फारमैक्स इंडिया लिमिटेड के मामले में, भविष्य की किसी भी वास्तविक विदेशी मुद्रा आवश्यकताओं के बावजूद, 71.91 मिलियन अमरीकी डालर (जून और अगस्त 2010 में वैश्विक जमा रसीद (जीडीआर)जारी करने के समय प्रचलित विनिमय दर पर 318 करोड़ रुपये के बराबर) की वैश्विक जमा रसीद (जीडीआर)।आय भारत में प्रत्यावर्तित नहीं की गई थी।

56.57 मिलियन अमरीकी डालर की वैश्विक जमा रसीद (जीडीआर)आय, जो ऑस्ट्रिया के यूरैम बैंक में फ़ार्मैक्स इंडिया लिमिटेड के बैंक खाते में प्राप्त हुई थी, को वैश्विक जमा रसीद (जीडीआर) ग्राहक – मैसर्स विंटेज एफजेडई द्वारा लिए गए ऋण सुरक्षा के परिप्रेक्ष्य में गिरवी रखा गया था।

इसके अलावा, गैर-प्रत्यावर्तित जीडीपी को मेसर्स इंडिया फोकस कार्डिनल फंड में स्थानांतरित कर दिया गया था जिसे अरुण पंचारिया द्वारा नियंत्रित किया गया था।

मैसर्स इंडिया फोकस कार्डिनल फंड ने मेसर्स विंटेज एफजेडई से अर्जित शेयरों को भारतीय प्रतिभूति बाजार में परिवर्तित और बेच दिया और 51.76 करोड़ रुपये की बिक्री आय उनके पास रखी गई।

आगे की जांच चल रही है।